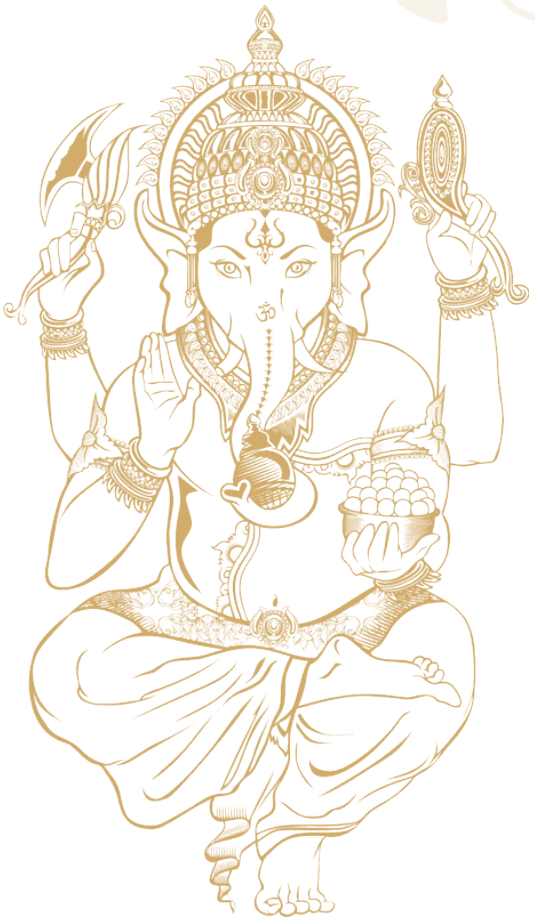

K

27 Apr 2024

06:07 PM

Kanchanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120840805

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/04/2024**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**18:07:00 घंटे**
इष्ट	30:50:47 घटी
स्थान	**Kanchanpur**
देश	Nepal

अक्षांश	28:41:00 उत्तर
रेखांश	80:15:00 पूर्व
मध्य रेखांश	86:15:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:43:00 घंटे
वेलान्तर	00:02:24 घंटे
साम्पातिक काल	08:06:55 घंटे
सूर्योदय	05:46:41 घंटे
सूर्यास्त	18:56:59 घंटे
दिनमान	13:10:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	13:31:58 मेष
लग्न के अंश	03:35:35 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	परिघ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:35:35	312:43:21	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मेष	13:31:58	00:58:20	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			वृश्चि	24:16:22	12:55:02	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल			मीन	03:23:17	00:46:19	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
बुध			मीन	21:56:49	00:09:43	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	नीच राशि
गुरु			मेष	29:06:56	00:13:56	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मेष	03:23:01	01:13:57	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
शनि			कुंभ	22:07:53	00:05:28	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु	व		मीन	21:17:04	00:03:23	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	21:17:04	00:03:23	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	27:59:38	00:03:24	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	---
नेप			मीन	04:37:38	00:01:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:54:07	00:00:09	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	05:22:17	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:43

लग्न-चलित

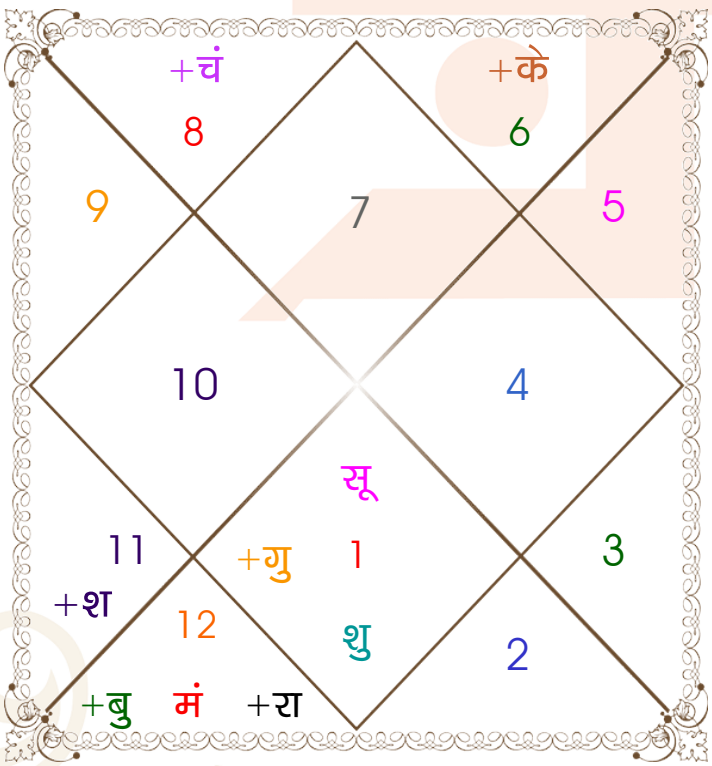

चन्द्र कुंडली

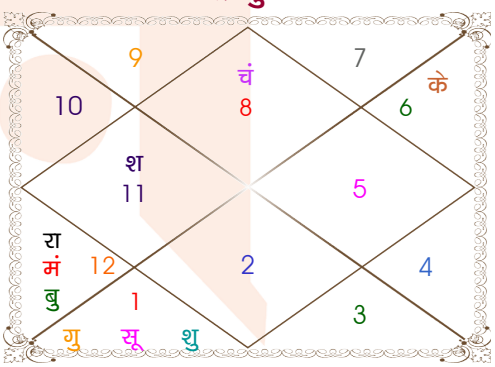

नवमांश कुंडली

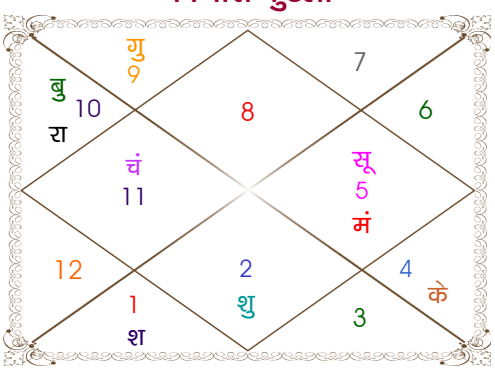

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 3 मास 19 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/04/2024		16/08/2031		16/08/2038		16/08/2058		16/08/2064	
16/08/2031		16/08/2038		16/08/2058		16/08/2064		16/08/2074	
	00/00/0000	केतु	12/01/2032	शुक्र	16/12/2041	सूर्य	04/12/2058	चंद्र	16/06/2065
	00/00/0000	शुक्र	14/03/2033	सूर्य	16/12/2042	चंद्र	04/06/2059	मंगल	15/01/2066
	00/00/0000	सूर्य	19/07/2033	चंद्र	16/08/2044	मंगल	10/10/2059	राहु	17/07/2067
	00/00/0000	चंद्र	17/02/2034	मंगल	16/10/2045	राहु	03/09/2060	गुरु	15/11/2068
	00/00/0000	मंगल	17/07/2034	राहु	15/10/2048	गुरु	22/06/2061	शनि	16/06/2070
	27/04/2024	राहु	04/08/2035	गुरु	16/06/2051	शनि	04/06/2062	बुध	16/11/2071
राहु	31/08/2026	गुरु	10/07/2036	शनि	16/08/2054	बुध	10/04/2063	केतु	16/06/2072
गुरु	06/12/2028	शनि	19/08/2037	बुध	16/06/2057	केतु	16/08/2063	शुक्र	14/02/2074
शनि	16/08/2031	बुध	16/08/2038	केतु	16/08/2058	शुक्र	16/08/2064	सूर्य	16/08/2074

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/08/2074		16/08/2081		16/08/2099		17/08/2115		17/08/2134	
16/08/2081		16/08/2099		17/08/2115		17/08/2134		00/00/0000	
मंगल	12/01/2075	राहु	28/04/2084	गुरु	05/10/2101	शनि	20/08/2118	बुध	13/01/2137
राहु	31/01/2076	गुरु	22/09/2086	शनि	17/04/2104	बुध	29/04/2121	केतु	10/01/2138
गुरु	06/01/2077	शनि	29/07/2089	बुध	24/07/2106	केतु	08/06/2122	शुक्र	10/11/2140
शनि	14/02/2078	बुध	15/02/2092	केतु	30/06/2107	शुक्र	08/08/2125	सूर्य	16/09/2141
बुध	12/02/2079	केतु	04/03/2093	शुक्र	28/02/2110	सूर्य	21/07/2126	चंद्र	16/02/2143
केतु	11/07/2079	शुक्र	04/03/2096	सूर्य	17/12/2110	चंद्र	19/02/2128	मंगल	13/02/2144
शुक्र	09/09/2080	सूर्य	27/01/2097	चंद्र	17/04/2112	मंगल	30/03/2129	राहु	28/04/2144
सूर्य	15/01/2081	चंद्र	29/07/2098	मंगल	24/03/2113	राहु	04/02/2132		00/00/0000
चंद्र	16/08/2081	मंगल	16/08/2099	राहु	17/08/2115	गुरु	17/08/2134		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 7 वर्ष 3 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।